



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 37]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 3, 2000/फाल्गुन 13, 1921

No. 37]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 3, 2000/PHALGUNA 13, 1921

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2000

अंतिम जांच परिणाम

चेपर

विषय: जापान, फिनलैंड, जर्मनी तथा यूरोपीय संघ से थर्मल सेंसीटिव (टी एस पी) के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच-अंतिम जांच परिणाम

25/1/98/ए डी डी- वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया:

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 18 अगस्त, 1999 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था। हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था;

(ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हों, प्रस्तुत

(iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति झाफन, फिनलैंड, जर्मनी के दूतावासों तथा नई दिल्ली में आए यूरोपीय संघ के शिष्टमंडल को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि वे प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

विचार

(iv) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को अपने/मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था। मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;

(v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी;

(vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षप्तिता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है। परन्तु हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है;

(vii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत विचार किया गया है;

(viii) इस अधिसूचना में **** हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है।

ख. याचिकाकर्ता, निर्यातक, आयातक तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार तथा प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच:

2. हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की गई है और उन पर विचार किया गया है तथा यहां नीचे उचित स्थानों पर उन पर चर्चा की गई है:-

ग. विचाराधीन उत्पाद:

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद झाफन, फिनलैंड, जर्मनी तथा यूरोपीय संघ के मूल का अथवा वहां से निर्यातित थर्मल सेंसीटिव पेपर (टी एस पी) है। टी एस पी का प्रयोग मुख्य रूप से फैक्स मशीनों, ई सी जी मशीनों, रोकड़ रजिस्टरों, सी ए डी/सी ए एम रजिस्टरों इत्यादि में किया जाता है। टी एस पी को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनयम, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 4809.10 के तहत 'कार्बन अथवा इसी प्रकार के कॉपी करने वाले पेपर' की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। इसके अलावा टी एस पी को आयात एवं निर्यात के आई टी सी वर्गीकरण में शीर्ष 48091009.10 के अंतर्गत 'फैक्स मशीनों के लिए थर्मल पेपर' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह मौजूदा जांच के कार्य-क्षेत्र पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

4. याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए तर्क

टी एस पी को सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 48 के तहत वर्गीकरण किया गया है और टी एस पी को किसी अनन्य सीमाशुल्क उपशीर्ष के तहत श्रेणीबद्ध नहीं किया गया है। अनेक सीमाशुल्क उपशीर्षों के तहत आयात की निकासी की अनुमति दी गई है। टी एस पी का आयात अनेक उपशीर्षों के तहत किया जा रहा है जिनमें से कुछ 4811.90, 4809.10, 480990, 4816.20 हैं।

5. प्राधिकारी का विचार

प्राधिकारी यह स्पष्ट करते हैं कि मौजूदा जांच में शामिल उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 48 के तहत कवर किया गया टी एस पी है। सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के तहत यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है।

घ. समान वस्तुएँ:

6. याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित तथा बेचे गए टी एस पी और संबद्ध देशों से आयात किए गए टी एस पी का भारत के उपभोक्ताओं द्वारा एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा रहा है। संयोजी पदार्थों, सामग्री के रख-रखाव में स्वचलन इत्यादि जैसे कुछ मामूली अंतरों को छोड़कर मशीनरी, कच्चे माल, विनिर्माण की प्रक्रिया के रूप में इस उत्पाद के विनिर्माण की प्रक्रिया तथा तकनीक पूरे विश्व में एक समान है। जी एस एम के रूप में विभिन्न मोटाई के टी एस पी का उत्पादन किया जाता है और इसकी बिक्री की जाती है। तथापि, विभिन्न मोटाईयाँ एक ही सामान्य उद्देश्य को पूरा करती हैं। प्राधिकारी ने अपने प्रारंभिक निष्कर्ष में यह निर्णय लिया था कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए जा रहे टी एस पी तथा संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे टी एस पी का दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा सकता है और इस प्रकार ये व्याणिज्यिक रूप से एवं तकनीकी रूप से प्रतिस्थापित करने योग्य हैं और इसलिए ये समान वस्तुएँ हैं। प्रारंभिक निष्कर्ष के बाद हितबद्ध पार्टीयों द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी इस बात की पुष्टि करते हैं कि संबद्ध नियमों के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किया जा रहा टी एस पी तथा संबद्ध देशों से आयात किया जा रहा टी एस पी समान वस्तुएँ हैं।

ड. घरेलू उद्योग :

7. प्रारंभिक निष्कर्ष में यह निर्णय लिया गया था कि उक्त याचिका मैं 0 श्री कृष्ण पेपर मिल्स एवं उद्योग लिं0 के द्वारा दायर की गई थी, जिसका पंजीकृत कार्यालय 4830/24, प्रहलाद स्ट्रीट, अंसारी रोड, नई दिल्ली में है तथा कारखाना बहादुरगढ़, हरियाणा में है। याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तुओं का एक मात्र उत्पादक है। कूंकिं एक अन्य कंपनी मैं 0 डेनमूर फैक्स रॉल्स लिं0, जिसने भारत में टी एस पी के विनिर्माण के लिए क्षमताओं का सृजन किया था, ने अपना प्रचालन अंतर्बंद कर दिया है। याचिकाकर्ता द्वारा भारत में संबद्ध वस्तु की बड़ी मात्रा का उत्पादन किया जाता है। किसी हितबद्ध पार्टी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने के लिए याचिकाकर्ता के आधार पर विवाद नहीं उठाया है। इसलिए प्राधिकारी यह निर्णय लेते हैं कि याचिकाकर्ता नियमों के तहत यथा-अपेक्षित घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपेक्षित मानदंडों को पूरा करता है।

च. आयात की मात्रा तथा न्यूनतम से कम आयात:

8. हितबद्ध पार्टीयों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि कुछेक संबद्ध देशों से हुए आयात की मात्रा न्यूनतम से कम है और इसलिए इन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। हितबद्ध पार्टीयों ने निम्नानुसार तर्क दिया है:-

9. अखिल भारतीय थर्मल पेपर डीलर्स परिसंघ

फिनलैंड से टी एस पी का कोई आयात नहीं किया गया है और कुल आयातों में फिनलैंड, जर्मनी एवं ई यू से किए गए आयात की समेकित मात्रा 7 प्रतिशत से कम है तथा यह अलग रूपों में 3 प्रतिशत से कम है। चूंकि संबद्ध देशों से हुए आयातों की मात्रा न्यूनतम से कम है, इसलिए पाटनरोधी जांच को इसी समय समाप्त कर देना चाहिए।

10. यूरोपीय संघ के शिष्टमंडल

के

- (i) चूंकि जर्मनी, फिनलैंड एवं ई यू खिलाफ विशेष रूप से कार्रवाई की गई है, इसलिए प्राधिकारी ने उन पर न्यूनतम सीमा का मानदंड उन्हें अलग अलग हस्ती मानते हुए लागू किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि ई यू फिनलैंड एवं जर्मनी के लिए न्यूनतम सीमा का मानदंड अलग अलग कैसे लागू किया जा सकता है, जबकि बाद के दोनों देश ई यू के ही भाग हैं।
- (ii) प्राधिकारी ने अगली जांच होने तक ई यू तथा फिनलैंड पर कोई शुल्क नहीं लगाया है। ई यू यह जानने का इच्छुक होगा कि क्या जर्मनी, जो ई यू का हिस्सा है, पर अनन्तिम शुल्क लागू होगा अथवा नहीं।

11. फिनलैंड का दूतावास

प्राधिकारी द्वारा फिनलैंड से हुए टी एस पी के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश नहीं की गई है क्योंकि जांच की अवधि(पी ओ आई)के दौरान फिनलैंड से भारत में टी एस पी का कोई आयात नहीं हुआ था। उपरोक्त बातों के मद्देनजर फिनलैंड के निर्यातकों को इस जांच से अलग कर दिया जाना चाहिए।

12. मै0 जूजो थर्मल लिमिटेड, फिनलैंड

यह कंपनी फिनलैंड में टी एस पी की एक मात्र विनिर्माता है और इसने जांच की अवधि (पी ओ आई) के दौरान भारत को सीधे अथवा किसी प्राधिकृत एजेंट के जरिए संबद्ध वस्तुओं का कोई निर्यात नहीं किया है।

13. प्राधिकारी द्वारा जांच

- (i) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यांत्रिकीय सूचना पर आधारित है। यह सूचना मै0 इनफॉरमैट्स, बंबई नामक एक गैर-सरकारी एजेंसी द्वारा संकलित की गई है। टी एस पी को सीमाशुल्क टैरिफ में सीमाशुल्क शीर्ष 480 9.10 के तहत 'कार्बन अथवा इसी तरह के कॉपी करने वाले पेपर' के रूप में वर्गीकरण किया गया है। संबद्ध वस्तुओं के लिए अलग से कोई एक मात्र निर्दिष्ट सीमाशुल्क शीर्ष नहीं है। इसलिए डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित सूचना पर प्राधिकारी द्वारा विश्वास नहीं किया जा सकता है। आयात की मात्रा के संबंध में किसी अन्य अधिकृत सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया है, जैसाकि नियमों के अंतर्गत अपेक्षित है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई संबद्ध देशों से हुए आयात संबंधी सूचना को संगत बनाया गया है और आवश्यक सीमा तक इसे आयातकों एवं निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के साथ समेकित किया गया है।

(ii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार, वर्ष 1997-98 के दौरान संबद्धवस्तुओं के आयात की मात्रा 114.28 लाख वर्ग मीटर थी जिसमें जापान का शेयर 47.24% था। यूरोपीय संघ के अन्य सदस्य देशों की कुल आयात में 42.7% भागीदारी थी (अर्थात् फिनलैंड 30.8%, जर्मनी 6.5% और स्वीडन 5.4%)। प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य के आधार पर संबद्धदेशों से आयात की मात्रा न्यूनतम से अधिक होने के कारण प्राधिकारी ने जांच शुरू की। जांच अवधि के दौरान, आयातों की सूचना के संकलन आयातकों द्वारा तथा घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयात की मात्रा 116.95 लाख वर्ग मीटर थी। सकल आयात में जापान और जर्मनी का शेयर क्रमशः 91.4% और 6.50% था।

जांच अवधि के दौरान फिनलैंड से भारत में टीएसपी का कोई आयात नहीं किया गया और यूरोपीय संघ से किए गए सभी आयातों को जर्मनी से निर्यात के रूप में दर्शाया गया था। चूंकि यूरोपीय संघ के सदस्य देशों का अपना एक साझा सीमाशुल्क प्रदेश है और यूरोपीय संघ के भीतर कोई सीमाशुल्क अवरोध नहीं है इसलिए प्राधिकारी ने नियमों के अंतर्गत अपेक्षित न्यूनतम जांच के लिए मौजूदा जांच के प्रयोजन से यूरोपीय संघ को एक एकल समुदाय के रूप में माना है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपीय संघ से आयात की मात्रा नियमों के अधीन यथापेक्षित न्यूनतम सीमा से अधिक है। तदनुसार, प्राधिकारी ने शुल्क लगाए जाने पर विचार किया है जैसाकि इन जांच निष्कर्षों में नीचे चर्चा की गई है :

(छ) पाटन

14. प्रारंभिक जांच परिणाम के बाद याचिकाकर्ता और दूसरी हितबद्ध पार्टियों द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में दिए गए अभ्यावेदनों पर और प्राधिकारी द्वारा उसकी जांच पर नीचे चर्चा की गई है :

15. याचिकाकर्ता का तर्क

(क) मै0 स्टोरा की उत्पादन लागत के संबंध में प्रारंभिक जांच परिणाम स्पष्ट नहीं हैं। ~~इसे~~ इसे सुनिश्चित किया जाए कि घरेलू बाजार में निर्यातकों द्वारा की गई बिक्री की कीमत उसकी उत्पादन लागत से अधिक है।

(ख) मै0 स्टोरा ने निर्यात मूल्य के संबंध में समायोजन के लिए समुद्री भाड़ा और बीमा के आधार पर दावा किया है। उन खर्चों का खुलासा नहीं किया गया है जो खर्च निर्यातक ने जर्मनी में कमीशन, अंतर्राष्ट्रीय परिवहन और पत्तन व्यय पर किया होगा। उक्त खर्च के संबंध में पूरा तथ्य प्रस्तुत करने के लिए निर्यातक को निर्देश दिया जाना चाहिए।

16. ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन का तर्क

(क) टीएसपी की जापान और दूसरे देशों के घरेलू बाजार में मुक्त रूप से बिक्री की जाती है और शिकायतकर्ता ने संबद्ध देशों में सामान्य मूल्य का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। जापान को छोड़कर सभी दूसरे देशों द्वारा तीसरे देश को किए गए निर्यात के बारे में याचिकाकर्ता ने कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। जापान के संबंध में भी शिकायतकर्ता ने तीसरे देश में समान वस्तुओं के निर्यात के लिए प्राप्त एक प्रस्ताव पर भरोसा किया है। ऐसे प्रस्ताव वार्ताधीन हैं और यह सौदा मूल्य का कोई साक्ष्य नहीं है, इसलिए किसी तीसरे देश को किए गए समान वस्तु के निर्यात के लिए निर्यात कीमत के निर्धारण के प्रयोजन से इस पर निर्भर नहीं किया जा सकता है।

(ख) ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन ने जांच अवधि के दौरान तीसरे देशों के निर्यात की कीमत के लिए एक निर्यातक ने निर्यात बीजक की चुनिंदा प्रतियां प्रस्तुत की थी। तीसरे देशों को किए गए निर्यात की कीमत से संबंधित इस साक्ष्य को सामान्य मूल्य के लिए स्वीकार किया जाना चाहिए।

(ग) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत निर्मित लागत का वास्तविक लागत से कोई संबंध नहीं है। इसलिए याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए सामान्य मूल्य के आंकड़ों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

(घ) शिकायतकर्ता को निर्यात कीमत संबंधी समुचित आंकड़ा मुहैया कराने के लिए कहा जाना चाहिए। जापान से इतर निर्यातक देशों के संबंध में निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए कोई भी साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

(ङ.) फिनलैंड से आयात का कोई साक्ष्य नहीं है। इसलिए फिनलैंड से निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।

17. यूरोपीय संघ का तर्क

प्राधिकारी ने गैर-सहकारी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए मै0 स्टोरा के निर्धारित मूल्य को स्वीकार किया है। गैर-सहकारी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य के लिए भी इसी प्रकार किया जाना चाहिए।

ज. प्राधिकारी द्वारा जांच

18. यूरोपीय संघ

मै0 मित्सुबिसी हाइटेक पेपर

प्राधिकारी को जांच में मै0 स्टोरा, स्पिअलपिएरे जीएमबीएच, जर्मनी से उत्तर प्राप्त हुआ था। निर्यातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की प्राधिकारी ने जांच की थी। जांच के दौरान यह सूचित किया गया था कि कंपनी को अब मैसर्स मित्सुबिसी हाइटेक पेपर फ्लेन्सवर्ग, जीएमबीएच के नाम से पुनर्नामित कर दिया गया है। मै0 मित्सुबिसी हाइटेक पेपर, फ्लेन्सवर्ग, जीएमबीएच के संबंध में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन सीमा के निर्धारण पर विचार नीचे किया गया है :

सामान्य मूल्य

(i) कंपनी ने घरेलू बाजार में ~~.....~~ किग्रा0 (~~.....~~ मिलियन वर्ग मीटर) टीएसपी डीएम ~~.....~~ मिलियनके बीजक मूल्य पर बेचा। कंपनी ने तय कीमत पर ~~.....~~ % तक नकद छूट दी। ग्राहकों को भुगतान के लिए दिनों तक की विस्तारित अवधि की अनुमति दी गई है। कुछ बिक्री घरेलू बाजार में सीधे ही कीगई है जबकि दूसरे सौदों में ~~.....~~ % तक का कमीशन दिया गया है। इसके अलावा कंपनी ने अलग-अलग ग्राहकों द्वारा खरीदे गए थर्मल पेपर की मात्रा के आधार पर मात्रा में भी छूट दी है। कंपनी ने घरेलू बाजार में बिक्री कारखाना द्वार स्तर पर और सीआईएफ आधार पर भी की है। कारखानागत घरेलू बिक्री कीमत के निर्धारण के संबंध में प्राधिकारी ने वास्तविक आधार पर नकद छूट, कमीशन, ब्याज और अंतर्देशीय भाड़े को स्वीकार किया है। तथापि, प्राधिकारी ने मात्रात्मक छूट को स्वीकार नहीं किया है क्योंकि बिक्री के समय उक्त मात्रा मालूम नहीं थी और यह विशेष ग्राहकों द्वारा की जा रही खरीद की विशिष्ट मात्रा पर आधारित है। उपरोक्त के आधार पर, मै0 मित्सुबिसी हाइटेक पेपर के मामले में कारखानागत घरेलू बिक्री कीमत की गणना ~~.....~~ अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर की गई है।

(ii) कंपनी से अपने उत्पादन लागत के संबंध में ब्यौरा उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध किया गया था। कंपनी इस संबंध में कोई ब्यौरा प्रस्तुत नहीं कर सकी। तथापि, निर्यातक ने इस बात की पुष्टि की थी कि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से निर्धारित लागत के लिए अंशदान वास्तविक निर्धारित लागत से कम है। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने घरेलू बाजार में ~~.....~~ संबद्ध वस्तुओं की बिक्री को व्यवहार्य बिक्री नहीं माना है।

(iii) उत्पादन लागत के ब्यौरों की अनुपब्धता की स्थिति में प्राधिकारी ने मै0 मित्सुबिसी हाइटेक पेपर लिमि0, जर्मनी के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है। तदनुसार, प्राधिकारी ने निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य

संबद्ध वस्तुओं की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर 0.133 अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर स्वीकार किया है।

निर्यात कीमत

(i) जांच अवधि के दौरान, कंपनी ने 0.133 अमरीकी डालर सीआईएफ मूल्य पर 0.133 किग्रा (0.133 वर्ग मीटर) थर्मल सेनसिटिव पेपर बेचा। इसके अलावा कंपनी ने भाड़ा व्यय और बीमा प्रभार पर खर्च किया। प्राधिकारी की उपलब्ध कराए गए साक्ष्य के अनुसार भाड़ा में अंतर्देशीय भाड़ा, रखरखाव प्रभार, विदेशी भाड़ा और सफाई शुल्क शामिल है। भारत को बिक्री एक विपणन एजेंट में 0 मित्सुबिसी कॉर्पोरेशन, सिंगापुर के जरिए की गई है जिसके लिए 0.133 % की दर से कमीशन का भुगतान किया गया है। प्राधिकारी ने बिक्री की कारखानागत लागत के निर्धारण के लिए वार्तविक आधार पर भाड़ा, बीमा और कमीशन संबंधी व्यय को मंजूर किया है। तदनुसार प्राधिकारी ने में 0 मित्सुबिसी हाइटेक पेपर के मामले में निर्यात कीमत 0.133 अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर निर्धारित की है।

(ii) चूंकि जर्मनी यूरोपीय संघ के एकल सीमाशुल्क संघ का हिस्सा है, इसलिए तदनुसार यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य 0.133 अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर माना गया है। यूरोपीय संघ के लिए निर्यात कीमत भी तदनुसार 0.133 अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर आंकी गई है। इस प्रकार प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन का निर्धारण 0.133 अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर या 71.4% किया है।

(अ) यूरोपीय संघ के गैर सहकारी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन

19. यूरोपीय संघ के किसी दूसरे निर्यातक ने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया। दूसरे निर्यातकों से किसी उत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर विचार किया है। जांच शुरूआत के समय सामान्य मूल्य पर 0.133 डूरी में टीएसपी की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर विचार किया था। प्राधिकारी ने 0.133 के गैर सहकारी निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत पर विचार गैर सहकारी निर्यातक को समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा और कमीशन के समायोजन की अनुमति देने के बाद, उसकी चूनतम कीमत के आधार पर किया है। तदनुसार, गैर सहकारी निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण क्रमशः 0.133 अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर और 0.133 अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर निर्धारित किया है। इस प्रकार गैर सहकारी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन का निर्धारण 0.133 अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर या 76.9 % किया गया है।

20. जापानसामान्य मूल्य

निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जो सूचना मांगी थी उसका उत्तर केवल मै0 मित्सुबिसी पेपर मिल्स लिमि0, जापान से प्राप्त हुआ था । तथापि कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना को अर्पयाप्त पाया गया । निर्यातक से अपेक्षित सूचना के अभाव में, प्राधिकारी ने अपने प्रारंभिक जांच परिणाम में मै0 मित्सुबिसी पेपर मिल्स लिमि0, और जापान के दूसरे निर्यातकों के मामले में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार किया था । तदनुसार भारत में टीएसपी की उत्पादन लागत को लाभ के लिए पर्याप्त मार्जिन की मंजूरी देने के बाद जापान में परिकलित लागत के निर्धारण का मूलाधार माना था और जापान के सभी निर्यातकों के लिए टीएसपी का सामान्य मूल्य 0.133 अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर माना गया था ।

- (ii) जैसाकि ऊपर उल्लेख किया गया है, सामान्य मूल्य के निर्धारण के मामले में जापान के किसी निर्यातक ने विवाद नहीं किया है । तथापि, ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन ने प्राधिकारी को अपने अनुरोध में जापान के निर्यातक द्वारा तीसरे देश को की गई बिक्री बतलाते हुए मै0 मारुबनीस कार्पो0, जापान द्वारा की गई बिक्री के बीजक की प्रतियां प्रस्तुत की थीं । उन्होंने यह दावा किया था कि उसने जो साक्ष्य प्रस्तुत किया है उसे तीसरे देश की बिक्री के आधार पर सामान्य मूल्य के लिए आधार माना जाए ।
- (iii) प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि इन बीजकों में से कुछ बीजकों से अन्य देश की निर्यात कीमतोंका उल्लेख मिलता है जो ~~****~~—अमरीकी डालर से ~~*****~~ अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर के बीच बैठती हैं । तथापि, पाटनरोधी नियमों में यह अपेक्षित है कि अन्य देशों की ऐसी बिक्री पर सामान्य मूल्य के साक्ष्य के रूप में विचार किया जा सकता है बशर्ते यह व्यापार के सामान्य रूप में की गई हो और ऐसी बिक्री कीमत से निर्धारित और अस्थाई लागत तथा उत्पादन की प्रशासनिक, बिक्री एवं सामान्य लागत दोनों की वसूली सुनिश्चित होती हो । जापान के किसी निर्यातक की ओर से कोई उत्तर प्राप्त न होने पर प्राधिकारी यह सत्यापित नहीं कर सके कि क्या ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के आधार पर अन्य देश की निर्यात बिक्री में विनिर्माण की समस्त लागत की वसूली की व्यवस्था है और ये बिक्रियां व्यापार के सामान्य रूप में की गई हैं अथवा नहीं । इसके अलावा, प्रारंभिक निष्कर्षों के अनुसार, सामान्य मूल्य के निर्धारण का विरोध जापान के किसी निर्यातक ने नहीं किया है ।
- (iv) उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर जापान के निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य पर विचार किया है । तदनुसार प्राधिकारी ने 133 अमरीकी डालर प्रतिवर्ग मीटर की दर से सामान्य मूल्य पर विचार किया है ।

निर्यात कीमत

- (i) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निर्धारण में याचिकाकर्ता द्वारा गौण स्रोतों से उपलब्ध कराए गए साक्षयों के आधार पर जापान से हुए निर्यातों के मामले में निर्यात कीमत पर विचार किया था। इस प्रकार प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि के दौरान जापान से टीएसपी की औसत निर्यात कीमत के रूप में ~~.....~~ रुपए प्रति वर्ग मीटर पर विचार किया गया था। प्राधिकारी द्वारा समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा और कमीशन के कारण आगे और समायोजन किया गया था। तदनुसार, प्राधिकारी द्वारा भारत के लिए कारखानागत निर्यात कीमत के रूप में ~~.....~~ रुपए प्रति वर्ग मीटर (~~.....~~ अमरीकी डालर) पर विचार किया गया था।
- (ii) प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद जापान के किसी निर्यातक से भारत को हुए निर्यात की कीमत के बारे में कोई अतिरिक्त सूचना प्राप्त नहीं हुई थी। निर्यात कीमत के निर्धारण का जापान के किसी निर्यातक द्वारा विरोध नहीं किया गया है। ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन ने अपने आवेदन में कहा था कि याचिकाकर्ता-ओं से यह अनुरोध किया जाय कि वे निर्यात कीमत के बारे में विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत करें, क्योंकि निजी एजेंसी द्वारा प्रस्तुत आंकड़े विश्वसनीय नहीं हो सकते हैं। इसने यह भी दावा किया था कि समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा और कमीशन के लिए समायोजन पर उसके द्वारा प्रस्तुत बीजकों के आधार पर विचार किया जाय।
- (iii) प्राधिकारी यह अभिमत व्यक्त करते हैं कि टीएससी का वगीकरण विशिष्ट सीमाशुल्क उपशीर्ष के अंतर्गत नहीं किया जाता है। इस प्रकार, डीजीसीआई एण्ड एस, कलकत्ता के आधार पर निर्यात कीमत को उचित आधार के रूप में नहीं पाया गया है। तथापि, जैसाकि इन निष्कर्षों में उल्लेख किया गया है घरेलू उद्योग द्वारा गौण स्रोतों से प्रस्तुत की गई सूचना और आयातकों द्वारा प्रस्तुत आयातों के आंकड़े प्राधिकारी द्वारा समेकित किए गए हैं जिन्हें ~~.....~~ रुपए प्रति वर्ग मीटर में समाशोधित औसत सीआईएफ निर्यात कीमत पर ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन द्वारा विचार किया गया है। आईटीपीडीए द्वारा, जैसाकि दावा किया गया है, समुद्री बीमा, भाड़े और कमीशन के कारण समायोजन के बारे में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि, भाड़ा और बीमा के बारे में आयातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए ब्यौरों के आधार पर, प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि इन आधारों पर घरेलू उद्योग द्वारा किया गया दावा निष्पक्ष एवं उचित प्रतीत होता है। अतः प्राधिकारी ने निर्यात कीमत से समायोजन करने की अनुमति दी है, जैसाकि घरेलू उद्योग ने दावा किया है।
- (iv) तदनुसार, प्राधिकारी ने जापान के सभी निर्यातकों के मामले में ~~.....~~ अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर के पाटन मार्जिन के साथ ~~.....~~ अमरीकी डालर प्रति वर्ग मीटर अथवा ~~.....~~ % की निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

अ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

21. याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए तर्क

- (i) संबंद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा कीमतों में भारी कमी कर देने से कम्पनी के लिए अपना उत्पाद बेचना मुश्किल हो गया था।
- (ii) कम्पनी को अपना उत्पादन को अधिकतम बनाने से रोका गया था जिसके फलस्वरूप उसके उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में भारी कमी आ गयी थी।

- (iii) कम्पनी द्वारा उत्पादित टीएसपी को लाभकारी कीमतों पर नहीं बेचा जा सका और कम्पनी को भारी घाटा उठाने के लिए बाध्य किया गया ।

22. ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स ऐसोसिएशन द्वारा दिया गया तर्क

- (i) वर्ष 1996-97 और 1997-98 के दौरान शिकायतकर्ता की बिक्री की मात्रा में वृद्धि हुई है/ जांच अवधि के दौरान शिकायतकर्ता के बाजार हिस्से में भी वृद्धि हुई है । जांच अवधि के दौरान शिकायतकर्ता के क्षमता उपयोग में भी वृद्धि हुई है । इसी प्रकार, शिकायतकर्ता के लाभ में जांच अवधि से पहले और उसके दौरान गिरावट नहीं आई है ।
- (ii) इनसे यह पता चलता है कि शिकायतकर्ता को कोई क्षति नहीं पहुँची है और कथित पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है ।

23. प्राधिकारी द्वारा जांच

- (i) प्राधिकारी यह अभिमत व्यक्त करते हैं कि वर्ष 1997-98 और जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कम्पनी के उत्पादन बिक्री और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है । तथापि, प्राधिकारी द्वारा इस तथ्य के संदर्भ में यह जांच की गई है कि याचिकाकर्ता कम्पनी ने मार्च, 1997 में अपना वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया था और वर्ष 1997-98 उसके वाणिज्यिक उत्पादन का पहला पूर्ण वर्ष था । इनपरिस्थितयों में, बिक्री, उत्पादन और क्षमता उपयोग जैसे मानदण्डों में सुधार होना लाजमी था । प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के कुछ महीनों में याचिकाकर्ता कम्पनी के अंतिम स्टॉक में काफी वृद्धि हुई थी जिससे परिणाम स्वरूप कम्पनी को आगे के महीनों में अपने उत्पादन स्तर में इतनी कमी करनी पड़ी जिससे कि वस्तु सूचियाँ व्यवस्था योग्य स्तर पर रहें । इस प्रकार, कम्पनी को अपने उत्पादन में घाटा हुआ । 1.4.98 की स्थिति के अनुसार टीएसपी का अंतिम स्टॉक ~~XXXX~~, महीनों की बिक्री का था और 31.10.98 की स्थिति के अनुसार, यह बढ़कर ~~XXXX~~ महीने की बिक्री तक का हो गया था । वाणिज्यिक उत्पादन के दूसरे वर्ष की परियोजना रिपोर्ट के अनुसार याचिकाकर्ता का उत्पादन अनुमानित क्षमता उपयोग से कम रहा था । जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कम्पनी की बिक्री प्राप्ति उसकी उत्पादन लागत से कम रही थी और याचिकाकर्ता कम्पनी को वर्ष 1997-98 और जांच अवधि के दौरान टीएसपी के प्रचालन से नुकसान हुआ ।
- (ii) भारत को संबंध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर हुआ है और संबंध देशों से हुए आयातों का पहुँच मूल्य याचिकाकर्ता की क्षतिरहित बिक्री कीमत से कम रहा है । इसके परिणामस्वरूप, याचिकाकर्ता को अपना उत्पाद उसकी उचित बिक्री कीमत से कम कीमत पर बेचने के लिए बाध्य किया गया था जिससे याचिकाकर्ता को वित्तीय घाटा हुआ । याचिकाकर्ता को अनुमानित स्तर तक क्षमता उपयोग प्राप्त करने से भी रोका गया था जिससे उसके उत्पादन में कमी आई । इस प्रकार, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबंध देशों से हुए आयातों के पाटन होने की वजह से याचिकाकर्ता को वास्तविक क्षति हुई है ।

झ. अन्य मुद्रूदे

24. दिल्ली पेपर प्रोडक्ट्स क. प्रा. लि.

जबसे पाटन रोधी शुल्क की घोषणा की गई है तब से याचिकाकर्ता मैसर्स श्रीकृष्ण पेपर मिल्स ने अपने ग्राहकों के साथ धोखा-धड़ी शुरू कर दी है और इसके वास्तविक प्रयोक्ता वस्तुतः लघु उद्योग की इकाइयाँ थीं जो कागज के छोटे-छोटे रोल बनाने का कार्य करती थीं। याचिकाकर्ता (श्रीकृष्ण पेपर मिल्स) भी प्रयोक्ताओं पर यह दबाव डालर रहा है कि वे सुपुर्दगी अथवा कीमतों की गारंटी बिना अग्रिम भुगतान जमा करें।

प्राधिकारी द्वारा जांच

तर्क सामान्य स्वरूप का प्रतीत होता है और वर्तमान जांच के क्षेत्र विस्तार से संगत नहीं है।

25 मैसर्स दिल्ली स्टेशनर्स एसोसिएशन

घरेलू विनिर्माता का उत्पादन अनियमित है और यह उत्पाद नियमित रूप से उपलब्ध नहीं होता है। याचिकाकर्ताओं का उत्पाद काफी अधिक कीमत वसूल कर सकता है यदि इसकी आपूर्ति अनियमित न होती और इसकी बिक्री नेटवर्क में कमी न होती। एकल घरेलू विनिर्माता जबसे उसका उत्पादन शुरू हुआ तब से और अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद भी बाजार में नियमित रूप से सामान की आपूर्ति करने में असमर्थ रहा है। पाटनरोधी शुल्क लगाने से थर्मल सेंसिटिव पेपर की कमी हो जाएगी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

यह तर्क सामान्य स्वरूप का है और यह वर्तमान जांच के क्षेत्र विस्तार के संगत नहीं है। पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य संबंध सामान के किसी आयात को सीमित करना नहीं है बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि संबंध सामान के आयातों के उचित कीमत पर अनुमति दी जाए।

26. ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन

- (i) ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन ने अपने तर्क प्रस्तुत किए थे। तथापि, प्रारंभिक निष्कर्षों में इन अनुरोधों पर कोई विचार किया हुआ प्रतीत नहीं होता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- (i) इस मामले में जांच की कार्रवाई 10.3.99 को शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षों को अपना उत्तर 40 दिनों के भीतर प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई थी। ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन समेत अनेक हितबद्ध पक्षों से अलग-अलग अवधियों के लिए समय बढ़ाने हेतु पत्र प्राप्त हुआ था। प्राधिकारी ने ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन को 30 अप्रैल, 1999 तक की समय वृद्धि की अनुमति प्रदान की थी। तथापि, इस मामले में उत्तर 27 मई, 1999 को प्राप्त हुआ था (24 मई, 99 के उसके पत्र द्वारा)।

इसे प्राधिकारी द्वारा बढ़ाई गई अवधि के बाद का उत्तर होने के कारण इस पर प्रारंभिक निर्धारण में विचार नहीं किया गया था। तथापि, ऑल इंडिया थर्मल पेपर डीलर्स एसोसिएशन के तर्कों पर इन निष्कर्षों में उचित कार्रवाई की गई है।

(ii) शिकायतकर्ता द्वारा विनिर्मित कागज और विभिन्न देशों से आयातित कागज के भार के अंतर के लिए समायोजन किया गया है। आयातित कागज और शिकायतकर्ता द्वारा विनिर्मित कागज समान वस्तुएँ हैं और इनका एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है; इसलिए कोई समायोजन करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि मोटाई की भिन्नता से उत्पाद की कार्यशीलता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच:

प्राधिकारी ने यह अभिमत व्यक्त किया है कि टीएसपी का उत्पादन भिन्न-भिन्न में किया जाता है जिसे ग्राम प्रति वर्ग मीटर के रूप में मापा जाता है। हालाँकि, निश्चिरेंजों तक के भिन्न-भिन्न मोटाई वाले टीएसपी का फैक्स मशीनों में अदल-बदल कर उपयोग किया जा सकता है, तथापि वार्तविकता यह है कि भिन्न-भिन्न प्रतिवर्ग मीटर माप के टीएसपी की परिवर्तन लागत भिन्न-भिन्न होगी। इसलिए, समानता के आधार पर तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के लिए समुचित समायोजन पर विचार किया है।

27. मै. मित्सुबिशी हाइटेक पेपर , जर्मनी:

मै. मित्सुबिसी हाइटेक पेपर जर्मनी ने प्राधिकारी से संबद्ध वस्तुओं के संबंध में कीमत संबंधी वचन-पत्र पर विचार करने का अनुरोध किया।

प्राधिकारी द्वारा जांच:

जैसाकि इन निष्कर्षों में उल्लेख किया गया है प्राधिकारी ने मै. मित्सुबिसी हाइटेक पेपर द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का सत्यापन किया। निर्यातक संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संबंध में अपेक्षित ब्यौरा प्रस्तुत नहीं कर सका। निर्यातक द्वारा आगे यह स्वीकार किया गया था कि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री, नियमों के अन्तर्गत यथा-पेक्षित व्यावहारिक बिक्री नहीं है जिस पर सामान्य मूल्य के लिए विचार किया जा सके। उत्पादन लागत के संबंध में अपेक्षित ब्यौरों के अभाव में, निर्यात के कीमत संबंधी वचन-पत्र के संदर्भ पर प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया जा सका।

28. मै. पेपरफेब्रिक आगस्ट कोहलर एजी जर्मनी

मै. पेपरफेब्रिक अगस्त कोहलर एजी, जर्मनी ने दिनांक 29 अक्टूबर, 1999 के अपने उत्तर में यह उल्लेख किया कि वे जर्मनी में टीएसपी के सबसे बड़े विनिर्माताओं में से एक हैं और उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का कोई निर्यात नहीं किया है। इसलिए, उन्होंने पाटनरोधी कार्रवाइयों से उन्हें अलग रखने का अनुरोध किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच:

प्राधिकारी ने यह अभिमत व्यक्त किया है कि ऐसे निर्यातक नए शिपरों के बारे में पुनर्विचार हेतु आवेदन कर सकते हैं, जैसाकि नियमों के अंतर्गत अपेक्षित है।

29 अन्य मामले:

निर्दिष्ट प्राधिकारी को यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमण्डल से एक पत्र प्राप्त हुआ था जिसमें यह उल्लेख किया गया था कि डब्ल्यूटीओ के पाटनरोधी करार के अनुसार प्राधिकारी को विचाराधीन वे आवश्यक तथ्य उजागर करने अपेक्षित होते हैं जो अंतिम निष्कर्षों का आधार बनते हैं। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमण्डल द्वारा यह उल्लेख किया गया है कि प्रकटन विभिन्न

हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों को रिकार्ड में लिए जाने तक ही सीमित होता है तथा इसमें वे महत्वपूर्ण आर्थिक मापदण्ड अथवा साक्ष्य शामिल नहीं होते हैं जिनके आधार पर किसी के द्वारा पाटन क्षति तथा कारणात्मक संबंध का निर्धारण किया जा सके।

प्राधिकारी द्वारा जांच:

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबंधित नियमों के तहत प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित है कि अपने अंतिम निष्कर्ष देने से पहले वह सभी हितबद्ध पक्षों को उन तथ्यों की सूचना दे जिनके आधार पर उसने निर्णय लिया है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए उन संगत मुद्दों/दिए गए तर्कों सहित जरुरी तथ्यों को उजागर किया था जिन पर उसने अंतिम निर्धारण में विचार करने का प्रस्ताव किया था। इस प्रकार, नियमों के अन्तर्गत यथापेक्षित सभी तथ्यों का समुचित प्रकटन किया गया है।

ठ. अंतिम निष्कर्ष

30. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- (क) जर्मनी तथा जापान मूल के या वहाँ से निर्यातित थर्मल सेन्सिटिव पेपर (टीएसपी) का भारत को इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया है;
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- (ग) जर्मनी तथा जापान मूल के या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

31. उपर्युक्त बातों के अधीन, प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लगाने के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और जापान तथा यूरोपीय संघ के मूल के या वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय-48 के अन्तर्गत आने वाले टीएसपी के सभी आयातों पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। पाटनरोधी शुल्क ~~की~~ राशि नीचे की सारणी में दर्शायी गई राशि के अनुसार होगी:-

क्र.सं.	देश	शुल्क की राशि/(रुपया रुपये की)
1.	<u>यूरोपीय संघ</u> मैं ^o मित्सुबिसी हाइटैक पेपर	1. 61
	अन्य सभी निर्यातक	1. 84
2.	<u>जापान</u> सभी निर्यातक	1.62.

32. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा-निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा3,3क, 8ख, 9 अथवा 9क, जैसा भी मामला हो, के अंतर्गत लगाए गए शुल्क को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

33. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद-शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जाएगी।

MINISTRY OF COMMERCE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd March, 2000

FINAL FINDINGS

Subject: Anti dumping investigation concerning imports of Thermal Sensitive Paper(TSP) from Japan, Finland, Germany and European Union(EU)-Final Findings.

25/1/98/ADD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 18th August, 1999 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
 - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassies of the Japan, Finland, Germany and the Delegation of European Union(EU) in New Delhi with a request to furnish their views on the preliminary findings;
 - iv) The Authority provided opportunity to domestic industry and other interested parties to present their views orally. All parties presenting their views orally were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by opposing parties and offer rebuttals, if any..

- (v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of the evidence submitted by various interested parties, for inspection, upon request;
- (vi) Arguments raised by interested parties before announcing of preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified earlier have not been repeated herein for sake of brevity. However, arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt in the preliminary findings and/or these findings;
- (vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- (viii) **** in the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules.

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY

- 2. The submissions made by the interested parties have been examined, considered and dealt at appropriate places herein under:-

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

- 3. The product considered in the present investigation is Thermal Sensitive Paper(TSP) originating in or exported from Japan, Finland, Germany and European Union(EU). TSP is primarily used in the Fax Machines, ECG Machines, Cash Registers, CAD/CAM registers etc. TSP is classified, under the Custom-sub heading 4809.10 of the Custom Tariff Act, 1975 in the "Carbon or Similar Copying Paper" category. TSP is further classified under the ITC classification for Imports & Exports under the heading 48091009.10 as "Thermal Paper for Fax Machines". The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

4. ARGUMENTS BY PETITIONER:

TSP is classified under Chapter 48 of the Custom Tariff Act. and TSP is not categorized under dedicated custom sub-heading. Imports are allowed to be cleared under many customs sub-headings. TSP is being imported under many sub-headings, some of which are 4811.90, 4809.10, 4809.90, 4816.20.

5. AUTHORITY POSITION:

The Authority clarifies that the product involved in present investigation is TSP covered under Chapter 48 of Customs Tariff Act. The classification under Customs Tariff Act is only indicative.

D. LIKE ARTICLES

6. The petitioner claimed that the TSP produced and sold by them and those imported from the subject countries, are being used interchangeably by the customers in India. The process and technology for manufacturing the product all over world is similar in terms of machinery, raw materials, manufacturing process except for minor differences such as additives, automation in material handling etc. TSP is produced and sold in different thickness in terms of GSM. However, the various sizes serve the same general purpose. Authority held in its preliminary findings that TSP being produced by the domestic industry and those being imported from the subject countries can be used interchangeably and thus are commercially and technically substitutable and therefore, are Like articles. No arguments have been raised by interested parties subsequent to Preliminary Findings. In view of the same, Authority confirms that TSP being produced by Domestic Industry and those being imported from subject countries are Like Articles within the meaning of relevant Rules.

E. DOMESTIC INDUSTRY

7. It was held in the Preliminary Findings that the petition has been filed by M/s. Shree Krishna Paper Mills & Industries Ltd. having its Registered Office at 4830/24, Prahalad Street, Ansari Road, New Delhi and works at Bahadurgarh, Haryana. The petitioner is the sole producer of the subject goods in India. The other company M/s. Denmur Fax Rolls Ltd. which had created capacities from the manufacture of TSP in India has since closed its operations. The petitioner accounts for a major proportion of the production of the subject goods in India. None of the interested parties have disputed the standing of petitioners to file petition on behalf of domestic industry. The Authority, therefore, holds that the petitioner fulfills requisite criteria to represent domestic industry, as required under the rules.

F. QUANTUM OF IMPORTS AND DE-MINIMUS IMPORTS:

8. The argument have been made by interested parties that the quantum of imports from some of the subject countries are de-minimus and hence no duties should be levied. The interested parties have argued as under:-

9. ALL INDIA THERMAL PAPER DEALERS ASSOCIATION:

There are no imports of TSP from Finland and the quantum of imports from Finland, Germany and EU collectively are less than 7% and individually less than 3% of the total imports. Since the quantum of imports from subject countries are de-minimus, the Anti-Dumping investigation should be terminated forthwith.

10. DELEGATION OF EUROPEAN UNION:

- (i) Since, Germany, Finland and EU have been specifically proceeded against, the Authority has applied the de-minimus test to them as separate entities. It is not clear how the de-minimus test can be applied to EU, Finland and Germany separately when the latter two are a part of EU.
- (ii) The Authority has not imposed any duty on EU and Finland pending further investigation. The EU would be interested to know whether Germany being part of EU is subject to provisional duties or not

11. EMBASSY OF FINLAND:

No Anti-Dumping duty have been recommended by the Authority on imports of TSP from Finland as there were no import of TSP into India from Finland during the Period of Investigation(POI). In view of the above, the Finnish exporters should be excluded from the investigation.

12. M/S. JUJO THERMAL LIMITED, FINLAND:

The company is the only manufacturer of TSP in Finland and has not exported the subject goods to India either directly or through any authorised agent during the POI.

13. EXAMINATION BY AUTHORITY:

- (i) The Authority notes that the information on quantum of imports to India has been furnished by petitioner based on Secondary sources. The information is compiled by a private agency M/s. Informats, Bombay. TSP is classified in Customs Tariff under the Customs heading 4809.10 as "Carbon or Similar Copying Paper". There is no single dedicated custom heading for the subject goods. Therefore, the information published by DGCI&S, Calcutta could not be

relied upon by Authority. In the absence of any other authentic information on the quantum of imports, the Authority has relied upon the best available information, as required under the Rules. Therefore, the Authority has considered quantum of imports from subject countries, based on information furnished by Domestic industry from secondary sources along with the information on imports furnished by other interested parties.

- (ii) As per information furnished by petitioner, the quantum of imports of subject goods during 1997-98 was 114.28 lac Sq. Meter with share of Japan at 47.24%. The other member countries of European Union represented 42.7 % the total imports (i.e. Finland 30.8%, Germany 6.5% and Sweden 5.4%). Based on the *prima-facia* evidence of quantum of imports from subject countries being higher than de-minimus Authority initiated the investigation. During the POI, based on consolidation of information on imports, furnished by Domestic industry and the importers, Authority notes that quantum of imports of subject goods in India during POI was 116.95 lac Sq. Meter. The share of Japan and Germany in total imports was to the extent of 91.4% and 6.50% respectively. There was no imports of TSP into India from Finland during POI and all the imports from EU were represented by exports from Germany. Since the member states of European Union have a common customs territory and there are no customs barriers within EU, for the purpose of present investigation, the Authority considers EU as a single entity for de-minimus test as required under the Rules. The Authority notes that quantum of imports from EU are more than the de-minimus, as required under the Rules. Accordingly, the levies of duties have been considered by Authority, as discussed herein under in these findings:-

G. DUMPING:

- 14. The submissions made by petitioners and other interested parties with regards to Normal Value, Export Price and Dumping Margin subsequent to the Preliminary Findings and its examination by the Authority is discussed, herein under:-

15. ARGUMENT BY THE PETITIONER:

- (a) The Preliminary Findings are not clear with regards to cost of production of M/s. STORA. It may be ensured that the sales by exporters in home market are above its cost of production.
- (b) With regards to the export price, the adjustments have been claimed by M/s. STORA on account of Ocean freight and Insurance. There is no disclosure of expenses which the exporter should have incurred on Commission, Inland transportation and Port expenses in Germany. The exporter may be directed to provide full facts with regards to expenses incurred.

16. ARGUMENTS RAISED BY ALL INDIA THERMAL PAPER DEALERS ASSOCIATION:

- (a) The TSP is freely sold in domestic market in Japan and other countries and complainant has not produced any evidence of Normal Value in the subject countries. In respect all countries other than Japan no evidence of third country export has been produced by the petitioners. In respect of Japan also the complainant has relied upon an offer for export of like articles to third country. Such offers are subject to negotiation and is not an evidence of transaction value and cannot be relied upon for determination of export price of like articles to a third country.
- (b) The All India Thermal Paper Dealers Association had furnished selected copies of export invoices for one of the exporter for export price to third countries during the investigation period. This evidence on export price to third countries should be considered for Normal Value.
- (c) The constructed cost furnished by petitioners has no links with the actual cost. Therefore, the figures on Normal Value given by petitioners should not be accepted.
- (d) The complainant may be asked to provide adequate data on export prices. There is no evidence whatsoever for determining the export price in respect of exporting countries other than Japan.
- (e) There is no evidence of import from Finland. Hence no duty should be imposed on exporters from Finland.

17. ARGUMENT BY EUROPEAN UNION:

The Authority has taken figures of M/s. STORA for determining the export price in respect of non-co-operative exporters. Same should be the case for normal value in respect of non-co-operative exporters.

H. EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

18. EUROPEAN UNION:

(i) M/S. MITSHUBISHI HITEC PAPER

The response in the investigation was received by Authority from M/s. STORA, Spzialpapiere, GmbH, Germany. The information made available by the exporter was verified by Authority. It was informed during

verification that the company has since been re-named as M/s. Mitsubishi HiTec Paper Flensburg, GmbH. The assessment of Normal Value, Export Price and Dumping Margin in respect of M/s. Mitsubishi HiTec Paper, Flensburg, GmbH is discussed herein under:-

NORMAL VALUE:

- (i) The company sold **** Kg(**** Million Sq.Meter) of TSP in domestic market at an invoice price of D.M.**** Million. The company allowed cash discount upto **** % on the negotiated price. The customers are allowed credit terms for payment, with credit period extending upto **** days. Some of the sales in domestic market are made directly while in other transactions, a commission ranging upto **** % is allowed. The company further allows quantity discounts depending upon the quantity of Thermal Paper lifted by individual customers. The sales in the domestic market are made by the company at Ex-factory level as well as on CIF basis. In assessment of Ex-factory domestic sales price, the Authority has considered cash discount Commission, Interest and Inland freight on actual basis. However, the quantity discount have not been considered by Authority, as the amount is not known at the time of sales and is contingent upon specific quantities, being lifted by individual clients. Based on the above, the Ex-factory domestic sales price as indicated by M/s. Mitsubishi HiTec Paper works out to US\$**** per Sq. Meter.
- (ii) The company was requested to make available details on its cost of production. No details of same could be furnished by the company. However, it was confirmed by the exporter that contribution towards fixed cost from sales of subject goods in domestic market are lower than actual fixed cost. In view of above, Authority has not considered sales of subject goods in Domestic market as viable sales.
- (iii) In the absence of details of cost of production, Authority has assessed Normal Value in case of M/s. Mitsubishi HiTec Paper based on best available information. Accordingly, Normal Value for the exporter has been considered by Authority based on constructed cost of production of subject goods as US\$0.133 per Sq. Meter.

EXPORT PRICE:

- (i) During the period of investigation, the company sold **** Kg.(**** Sq. Meter) of Thermal Sensitive Paper at a CIF price of US\$ ****. The company further incurred freight expenses and insurance charges. As per evidence made available to Authority, the freight includes inland freight, Handling charges, Overseas freight and cleaning charges. The sales to

India are made through a marketing agent M/s. Mitsubishi Corp., Singapore for which a Commission @ **** % is paid. Authority has allowed the expenses on freight, insurance and Commission, on actual basis, in assessment of Ex-factory cost of sales. Accordingly, the Export price in case of M/s. Mitsubishi HiTech Paper is assessed by Authority at US\$**** per Sq. Meter.

- (ii) As Germany is part of the single Customs Union of the EU, the Normal value has accordingly been considered at US\$0.133 per Sq.Meter for the EU. The Export Price for the EU is also accordingly assessed at US\$**** per Sq. Meter. Thus, the Dumping Margin is assessed by Authority at US\$ **** per Sq. Meter or 71.4%.

I. **DUMPING MARGIN IN RESPECT OF NON-CO-OPERATIVE EXPORTERS FROM EUROPEAN UNION.**

19. No response was filed by any other exporters from EU. In the absence of any response from the other exporters, the authority has considered Normal Value and export price based on best available information. The Normal value at the time of initiation was considered based on the constructed cost of production of TSP in EU. The Authority has considered the same as basis for determination of Normal value. However, export price in case of non co-operative exporters from EU has been considered by Authority based on the least price of co-operative exporter after allowing adjustments for Ocean freight, Marine Insurance, and Commission. Accordingly, Normal Value and export price in case of non co-operative exporters has been assessed at US \$ 0.133 per Sq.Meter and US \$ **** Sq. Meter respectively. Thus, dumping margin in case of non co-operative exporters is assessed at US\$ **** per Sq. Meter or 76.9%.

20. **JAPAN:**

NORMAL VALUE:

- (i) The response to the information solicited by the Designated Authority was received only from M/s. Mitsubishi Paper Mills Ltd., Japan. However, the information furnished by the company was found to be inadequate. In the absence of requisite information from exporter, Authority in its Preliminary Findings had considered Normal value based on the best available information in case of M/s. Mitsubishi Paper Mills Ltd. and other exporters from Japan. Accordingly, cost of production of TSP in India was adopted as basis for constructed cost in Japan after allowing for the reasonable margins for profits and normal value of TSP was taken at US\$0.133 per Sq. Meter for all exporters from Japan.

- (ii) The assessment of Normal Value, as detailed above, has not been disputed by any of the exporters from Japan. However, M/s. All India Thermal Paper Dealers Association in their submissions before the Authority furnished copies of invoices for sale by M/s. Marubani Corp., Japan indicating third country sales by the exporter from Japan. It was claimed by them that the evidence furnished by it be relied upon for Normal Value, based on third country sales.
- (iii) The Authority notes that some of these invoices indicates third country export prices ranging from US\$**** to US\$**** per Sq. Meter. However, the Anti-Dumping Rules requires that such third country sales could be considered as evidence of Normal Value provided it is in the ordinary course of trade and such sales price ensures for recovery of both fixed and variable costs and administrative, selling and general costs of production. In the absence of any response from exporters from Japan, Authority could not verify whether third country export sales, based on evidence furnished by All India Thermal Paper Dealers Association, provides for recovery of all the cost of manufacture and these sales are in ordinary course of trade. Moreover, the determination of Normal value, as per Preliminary Findings, has not been contested by any of the exporters from Japan.
- (iv) In view of the above, Authority has considered Normal Value in case of exporters from Japan, based on best available information. According to the Authority has considered Normal Value at US\$0.133 per Sq. Meter.

EXPORT PRICE:

- (i) In the preliminary determination, the Authority considered export price in case of exports from Japan based on evidence made available by petitioner from secondary sources. Thus, the average Export Price of TSP from Japan during the POI was considered by Authority as Rs.**** per Sq. Meter. Further adjustment were made by Authority on account of Ocean freight, Marine Insurance and Commission. Accordingly, the Ex-factory export price to India was considered by Authority as Rs.**** per Sq. Meter(US\$****).
- (ii) The Authority notes that no additional information was received from any of the exporters from Japan, on export price to India subsequent to Preliminary Findings. The assessment of export price has also not been disputed by any of the exporters from Japan. The All India Thermal Paper Dealers Association in their submissions stated that the petitioners may be requested to furnish reliable evidence on export price, as data furnished by private agency may not be reliable. It further claimed that adjustment for Ocean freight, Marine Insurance and Commission may be considered based on invoices furnished by it.
- (iii) The Authority observes that TSP is not classified under a dedicated Customs sub-heading. Thus, evidence on export price based on DGCI&S, Calcutta has not been found to be an appropriate basis. However, as

mentioned in these findings, the information furnished by Domestic industry from secondary sources and the details of imports, as furnished by imports have been consolidated by Authority reconciled an average CIF Export price of Rs**** per Sq. Meter has been considered by The All India Thermal Paper Dealers Association. No evidence has been furnished by The All India Thermal Paper Dealers Association, as claimed, with regards to adjustments on account of Marine Insurance, Freight and Commission. However, based on details furnished by importers with regards to freight and insurance, the Authority notes that claims by Domestic Industry on these accounts, seems to be fair and reasonable. Therefore, the Authority has allowed adjustment from export price, as claimed by Domestic Industry.

- (iv) Accordingly, Authority has assessed Export Price in case of all exporters from Japan at US\$**** per Sq. Meter with a Dumping Margin of US\$**** per Sq. Meter or 68.2%.

J. **INJURY AND CAUSAL LINK:**

21. **ARGUMENT BY PETITIONERS:**

- (i) The steep reduction in the prices by the exporters from the subject countries made it impossible for the company to sell its produce.
- (ii) The company was prevented from optimizing its production, resulting in significant loss of production and capacity utilization,
- (iii) The TSP produced by the company could not be sold at remunerative prices and the company was forced to suffer massive losses.

22. **ARGUMENT BY ALL INDIA THERMAL PAPER DEALERS ASSOCIATION:**

- (i) The volume of sales of complainant has increased during the year 1996-97 and 1997-98. The market share of complainant has also increased during the POI. The capacity utilization of complainant during the POI has also increased. Similarly, the profit of complainant has not declined from before and during the investigation period.
- (ii) These indicate that there is no injury caused to complainant and there is no causal link between alleged dumped imports and injury, if any, to the domestic industry.

23. **EXAMINATION BY THE AUTHORITY:**

- (i) The Authority observes that Production, Sales and Capacity utilisation of petitioner company has improved in 1997-98 and during the POI. However, this has been examined by Authority in the context of the fact that petitioner company commenced commercial production in March, 1997 and year 1997-98 was first full year of commercial production of petitioner company. Under these circumstances, there is bound to be improvement in parameters like sales, production and capacity usage. The Authority notes that there had been significant build up of closing

stocks of petitioner company in some of the months of POI, with the result that in the following months the company had to cut down its production level such that the inventories are within manageable levels. Thus, the company suffered loss of production. The closing stock of TSP as on 01.04.98 was **** months sales and it went upto **** months sales as on 31.10.1998. The production of petitioner was lower than the anticipated capacity usage, as per project report in the second year of commercial production. The sales realisation of petitioner company during period investigation was below its cost of production and the petitioner company suffered losses from operation from TSP during the years 1997-98 and during POI.

- (ii) The export of subject goods to India has been at a price below its Normal Value and the Landed Value of imports from subject countries has been at a price below the Non-injurious selling price for petitioner. As a consequence, thereof, the petitioner was forced to sell subject goods at a price below its reasonable selling price resulting in financial losses to petitioner. The petitioner was also prevented from achieving the capacity utilisation to anticipated level resulting in loss of production. Thus the Authority concludes that petitioner has suffered material injury due to dumped imports from subject countries.

K. **OTHER ISSUES:**

24. **DELHI PAPER PRODUCTS CO. PVT. LTD:**

Ever since the Anti-Dumping Duty has been announced, the petitioners M/s. Sree Krishna Paper Mills have started black mailing its clients and actual users were in fact SSI Units engaged in the industry of slitting paper into small rolls. The petitioner(Sree Krishna Paper Mills) is also insisting on the users to make deposits with advance payment without any guarantee of delivery or prices.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

The argument is generic in nature and is not relevant to the scope of present investigation.

25. **M/S. DELHI STATIONERS ASSOCIATION:**

The domestic manufacturer's production is irregular and the product is not regularly available. The petitioners product can command much higher price but for inconsistency supplies and lack of sales network. The single domestic manufacturer is unable to supply regular goods to the market ever since his production started and even after imposition of provisional Anti-Dumping Duty. The imposition of anti-Dumping Duty would lead to shortage of Thermal Sensitive Paper(TSP).

EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

The argument is generic in nature and is not relevant to the scope of present investigation. The Authority has carried out present investigations in accordance with the Anti-Dumping Rules.

26. ALL INDIA THERMAL PAPER DEALERS ASSOCIATION:

- (i) The All India Thermal Paper Dealers Association had submitted its arguments. However, no cognisance appears to have been taken of these submissions in the Preliminary Findings.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

The investigation in the matter was initiated on 10.03.1999 and all the interested parties were allowed 40 days to submit their responses. A reference was received from a number of interested parties, including The All India Thermal Paper Dealers Association for extension of time for different periods. The Authority allowed for extension of time to The All India Thermal Paper Dealers Association upto 30th April, 1999. However, the response in the matter was received from the on 27th May, 1999 (vide its letter dated 24th May, 1999). This being beyond the extended time allowed by Authority was not considered in preliminary determination. However, the argument of The All India Thermal Paper Dealers Association has been appropriately dealt with in these findings.

- (ii) The adjustment has been made on account of difference in the weight of paper manufactured by the complainant and that imported from various countries. The imported paper and the paper manufactured by complainant are like goods and are useable interchangeably, hence no adjustment is required to be made since a variation in thickness does not affect the functionality of the product.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY:

The Authority observes that TSP is produced in varying thicknesses measured in terms of Grams per Sq. Meter (GSM). Although, TSP of vary thickness upto certain ranges, can be used interchangeably in fax machines, the fact remains that the conversion cost for TSP of different GSM would vary. Therefore, in order to have a comparision on a like to like basis, the Authority has considered appropriate adjustment to the Non-injurious price of Domestic Industry.

27. M/S. MITSUBISHI HITEC PAPER ., GERMANY:

M/s. Mitsubishi HiTec Paper ., Germany requested the Authority to consider a price undertaking in respect of the subject goods.

EXMINATION BY AUTHORITY:

As elaborated in these findings, the Authority verified the information furnished by M/s. Mitsubishi HiTec Paper,. The exporter could not furnish requisite details on cost of production of subject goods. It was further admitted by the exporter that sales of subject goods in domestic market are not viable sales, as required under the Rules, which could be considered for Normal Value. In the absence of requisite details on cost of production, the reference from exporter for a price undertaking could not be considered by Authority.

28. M/S. PAPIERFABRIK AUGUST KOEHLER AG., GERMANY:

M/s. Papierfabrik August Koehler AG., Germany in their response dated 29th October, 1999 stated that they are one of the largest manufacturers of TSP in Germany and has not made any exports of subject goods to India during the POI. Therefore, they requested to be excluded from Anti-Dumping proceedings.

EXAMINATION BY AUTHORITY:

The Authority observes that such exporters may apply for a new shippers review, as required under the Rules.

29. OTHER ISSUES:

A reference was received by Designated Authority from Delegation of European Union stating that as per WTO Agreement on Anti-Dumping, the Authority is required to disclose essential facts under consider which forms basis of Final Findings. It is stated by the Delegation of European Union that disclosure statement is limited to taking record of the arguments raised by various interested parties and does not contain significant economic parameters or evidence on the basis of which one could determine dumping, injury and causal link.

EXAMINATION BY AUTHORITY:

The Authority notes that the relevant Rules require, the Authority to inform, before giving its Final Findings, all the interested parties of the essential facts which form the basis of its decision. The Authority has disclosed the essential facts including relevant issues/arguments raised by interested parties which it proposed to consider in the final determination. Thus, there is appropriate disclosure of all the facts, as required under the Rules.

L. FINAL FINDINGS:

30. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Thermal Sensitive Paper(TSP) originating in or exported from European Union and Japan has been exported to India below its normal value;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) the injury has been caused to the domestic industry by the dumping of the subject goods originating in or exported from European Union and Japan..

31. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of anti-dumping duty and recommends imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of TSP falling under chapter 48

of Customs Tariff Act. originating in or exported from Japan and European Union The Anti-Dumping Duty, per Sq .meter, shall be the amount indicated in the table below:-

Sl. No.	Country	Amount of duty (Rs per Sq.Meter)
1.	EUROPEAN UNION : M/S. MITSUBISHI HITEC PAPER	1.61
	OTHERS	1.84
2.	JAPAN: ALL EXPORTERS	1.62

32. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 or 9A, as the case may be, of the Customs Tariff Act, 1975.
33. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority